अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2025

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 20/04/2025 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे ।
2) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्र.1) लिपीबद्ध कीजिए। (कोई 3) **(5x3=15)**

1) पंचमसवारी में कवित्त
2) धमार ताल में फरमाईशी चक्रदार परन
3) रासताल में तिपल्ली
4) ताल गजझंपा में सादा आमद
5) रासताल में लयकारी (बराबर, दुगुन, चौगुन)

प्र.2) अ) एक वाक्य में उत्तर लिखे। **(10)**

1) सावन में गाए जाने वाला गीत।
2) वीभत्स रस का स्थायी भाव।
3) कथ्थक नृत्य में गोल गोल घुमने की क्रिया को क्या कहते है?
4) भारत की किस शास्त्रीय नृत्यशैली में त्रिभंगी भाव भगिमां का अधिन प्रदर्शन होता है?
5) धीरगंभीर गायन का प्रकार।
6) भारत के प्रसिद्ध नर्तक पं.राजेंद्र गंगाणी जी के गुरु का नाम।
7) निरर्थक शब्दों की गायन रचना।

8) प्राचीन शास्त्रों में बताए गए भाव के चार प्रकारों के नाम लिखे।

9) जब नृत्य में अंग प्रत्यांग और उपांगोका अति सुंदरता से नियमानुसार एवं सौष्टवपुर्ण तरीके से परिचालन किया जाता है तब उसे क्या कहते है।

10) "संगीत कलाधर" के अनुसार तांडव और लास्य के उपरांत नृत्य का तीसरा भेद क्या है।

ब) रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए। **(5)**

1) जब उत्कट अनुराग के होते हुए भी प्रिय से मिलन का अभाव रहता है तब --------- श्रृंगार होता है।

2) बिना दम लिए किये जानेवाली लयबद्ध बंदिश --------- कही जाती है।

3) ठुमकने वाला गायन प्रकार --------- है।

4) राजा चक्रधरसिंह व्दारा लिखित "राग रत्न मंजुषा" में कुल ------ राग रागिनियों का उल्लेख मिलता है।

5) कथ्थक नृत्य का चौथा घराना --------- माना जाता है।

प्र.3) कलाकार की जानकारी तथा नृत्य में उनका योगदान लिखे।

1) पं.नटराज गोपीकृष्ण **(8)**

2) पं.दुर्गालाल **(7)**

प्र.4) संक्षिप्त जानकारी दे। (कोई 3) **(5x3=15)**

1) चतुरंग

2) अष्टपदी

3) नर्तक नर्तकी के 5 गुण और अवगुण लिखे।

4) व्यभिचारी भाव समझाईए

5) कोई भी एक रस स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव के माध्यम से समझाईए।

प्र.5) व्याख्या किजिए। (कोई 3) **(5x3=15)**

1) अनुलोम-प्रतिलोम

2) न्यास-विन्यास

3) चैती-कजरी

4) त्रिवट-तराना

5) भ्रमरी (प्रकार सहीत)

प्र.6) ठुमरी शब्द की व्याख्या करते हुए, उसके प्रकारोंकी जानकारी तथा कथ्थक नृत्यके अंतर्गत उसकी प्रस्तुती की जानकारी दे। **(15)**

प्र.7) अ) राजा चक्रधर लिखित ग्रंथोंपर प्रकाश डाले। **(8)**

1) नर्तन सर्वस्वम्

2) ताल तोय निधी

3) राग रत्न मंजुषा

4) मुरजवर्ण पुष्पाकर

ब) नवाब वाजिदअलीशाह के जीवनपर प्रकाश डालते हुए कथ्थक नृत्य में योगदान। **(7)**

Exam : Visharad Pratham (Second Paper)

Subject : Kathak

Date : 20/04/2025 Timing : 2 pm to 5 pm Total Marks - 75

Note : 1) Solve any 5 questions.
2) All question carries equal marks.

Q.1) Write notation of the following. (Any 3) (5x3=15)

1) KAVITTA in Panchamsavari.
2) Farmaishi Chakkardar paran in Dhamar Taal.
3) Tipalli in Raas Taal.
4) Simple Aamad in Gajajhampa Taal.
5) Laykari in Raas taal (Ekgun, Dugun, Chougun)

Q.2) A) Answer in one sentence. (10)

1) Which type of song is sung during rainy season.
2) What is the Sthayi Bhav of Beebhassa Raas.
3) What is the action of circular movements in Kathak dance called.
4) In which Indian classical dance form Tribhangi movement is seen on a larger scale.
5) A slow, serious types of singing.
6) What is the name of Guru of famous Kathak dancer Pt. Rajendra Gangani.
7) Which composition of song is made of meaningless words.
8) What are the four types of Bhava according to ancient texts.

9) What is called when in dance the body parts and appendages are operated with the great beauty according to rules and in a healthy manner?

10) According to 'SANGEET KALANDHAR' what is the third type of dance other than Tandav & Lasya.

B) Fill in the blanks. **(5)**

1) When the nayika has an intense desire of meeting her beloved, get she can't _____ shringar is inculcated

2) A Rhythimic composition without a gap or rest is called _____

3) _____ is a unique style of singing which is fickle and full of romantic emotions.

4) There are in total _____ Rag Ragini in the ancient text 'RAGRATNA MANJUSHA' written by Raja Chakardhar Singh.

5) _____ is considered as the fourth Gharana of Kathak dance.

Q.3) Write the information about the artist and their contribution to the art.

1) Pt. Nataraj Gopikrishna. **(8)**

2) Pt. Durgalal **(7)**

Q.4) Explain in brief. (Any 3) **(5x3=15)**

1) Chaturang.

2) Ashtapadi.

3) Explain 5 goods and bad qualities of male and female dancer.

4) Explain Vyabhichari Bhav.

5) Explain any one Ras including its Sthayibhav, Vibhav, Anubhav & Vyabhichari Bhav.

Q.5) Define. (Any 3) **(5x3=15)**

1) Anulom – Pratilom

2) Nyas – Vinyas

3) Chaiti – Kajri

4) Trivat – Tarana

5) Bhramari with its types.

Q.6) Explain the word Thumari, its types and its presentation and importance in Kathak dance. **(15)**

Q.7) A) Highlight the literary text by Raja Chakradar Singh. **(8)**

1) Nartana Saraswam

2) Taal Toya Nidhi

3) Rag Ratna Manjusha

4) Muraj Paran Pushpakar

B) Highlight the life sketch of Nawab WajidAli Shah & his contributions in Kathak dance. **(7)**